लेडिग सेल ट्यूमर (Leydig Cell Tumor)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए है कि लेडिग सेल ट्यूमर क्या है, यह कैसे होता है, आपको किन जाँचों की आवश्यकता है और अगर इस बीमारी का पता लगता है तो आपपे इसका क्या दीर्घकालिक प्रभाव होता है ।

यह क्या है?

लेडिग सेल ओवेरियन ट्यूमर एक दुर्लभ सेक्स कॉर्ड-गोनाडल स्ट्रोमल ट्यूमर है जो अंडाशय ट्यूमर का 0.5% से कम और बच्चों में होने वाले अंडाशय कैंसर का 1-2% होता है। सेक्स कॉर्ड अंडाशय के कैंसर आमतौर पर 20 से 30 साल की युवा महिलाओं में होते हैं, लेकिन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकता है। केवल लेडिग कोशिकाओं से बने ट्यूमर पोस्टमेनोपॉज़ल (रजोनिवृत) महिलाओं में सबसे ज्यादा देखे जाते हैं।

इसके लक्षण कौन से हैं?

आमतौर पर इस स्थिति में एण्ड्रोजन हॉर्मोन का स्राव होता है, जिसके कारण विरिलाइजेशन (गहरी आवाज, बढ़ा हुआ क्लाइटोरिस, स्तन के आकार में कमी, मासिक धर्म का रोकना, एंड्रोजेनेटिक बालों का उड़ना) और हिर्सुटिज़्म (चेहरे और शरीर के बालों में वृद्धि) होता है ।

युवा रोगियों में, यह ट्यूमर सामान्य आबादी की तुलना में कम उम्र में सेकेंडरी सेक्स विशेषताओं के विकास को निर्धारित करता है (आइसोसेक्सुअल, असामयिक छद्म यौवन) ।

कुछ मामलों में, रोगियों को निचले पेट (श्रोणि क्षेत्र) में दर्द का अनुभव होता है।

कभी-कभी रोगी लक्षण मुक्त होते हैं और ट्यूमर का पता आकस्मिक चलता है ।

इसका पता कैसे लगाया जा सकता है?

इस ट्यूमर का पता करने के लिए, रोगियों के लक्षणों की जाँच करना और श्रोणि जाँच और श्रोणि अल्ट्रासाउंड करना महत्वपूर्ण है। अल्ट्रासाउंड में ट्यूमर आमतौर पर एकतरफा ठोस गाँठ जैसा होता है।

आमतौर पर रक्त जाँच में फ्री टेस्टोस्टेरोन और डीएचईए के सीरम स्तर में वृद्धि पाई जाती है।

रोग कितना फैला है यह देखने के लिए सीटी स्कैन अनिवार्य है।

इस स्थिति का इलाज कैसे किया जा सकता है?

प्रारंभिक स्टेज की बीमारी वाली युवा महिलाओं में, कंज़र्वेटिव सर्जरी (एकतरफा सल्पिंगो-ओओफोरेक्टॉमी) और उचित सर्जिकल स्टेजिंग उपचार का एक सुरक्षित तरीका है। यदि रोगी रजोनिवृत है या प्रजनन क्षमता को संरक्षित नहीं करना चाहता है, तो दोनों फैलोपियन ट्यूब और और अंडाशय (सल्पिंगो-ओओफोरेक्टॉमी) हटाई जाती है और सर्जिकल स्टेजिंग के साथ गर्भाशय (हिस्टेरेक्टॉमी) भी हटाई जाती है।

ट्यूमर के आकार और दोबारा होने के जोखिम कारकों के आधार पर (उदाहरण के लिए मोडेरेटेली और पुअरली डिफ्रेंसिएटेड ट्यूमर); प्लैटिनम-आधारित सहायक कीमोथेरेपी की भी आवश्यकता हो सकती है।

इसका प्रोग्नोसिस कैसा है?

अधिकांश सर्टोली-लेडिग सेल ओवेरियन ट्यूमर का पता फीगो स्टेज 1(अंडाशय तक सीमित बीमारी) में होता है और इसका प्रोग्नोसिस अच्छा होता है । अधिकांश वेल डिफ्रेंसिएटेड सर्टोली-लेडिग सेल ट्यूमर सौम्य होते हैं, जबकि लगभग 10% मोडेरेटेली डिफ्रेंसिएटेड और पुअरली डिफ्रेंसिएटेड ट्यूमर आक्रामक होते है। पुरुष विशेषताएं (लक्षण) सर्जरी के बाद धीरे-धीरे खत्म हो जाते हैं।

स्टेज 2 या उच्चतर, विषम तत्वों की उपस्थिति और रिटिफॉर्म पैटर्न, ख़राब प्रोग्नोसिस के कारक हैं।

मुझे किस फॉलो-अप की आवश्यकता होगी?

सर्जिकल उपचार के बाद रोगी की निगरानी महत्वपूर्ण है। श्रोणि और पेट के अल्ट्रासाउंड (अंततः एक सीटी स्कैन) और रक्त जाँच के साथ फॉलो-अप सर्जरी के बाद पहले वर्ष के लिए हर 3 महीने में, दूसरे वर्ष के लिए हर 4 महीने और फिर उपचार के बाद पांच साल तक हर छह महीने में की जाती हैं।

मुझे और क्या प्रश्न पूछने चाहिए?

- क्या कंज़र्वेटिव सर्जरी के बाद भविष्य में बच्चा करने में समस्या हो सकती है?
- क्या उपचार के बाद लेडिग ट्यूमर फिर से हो सकता है?

Last updated 2024